सेंट थॉमस स्कूल, धुर्वा, रांची

कक्षा - 7 पुस्तक : मंथन

विषय- हिन्दी पाठ 12 - दो बहने

मौखिक

प्रश्न 1- दोनों बहनें कई साल बाद किसके यहाँ मिली ?

उत्तर - दोनों बहनें दो साल बाद एक तीसरे नातेदार के घर में मिली ।

प्रश्न 2- रूपकुमारी ने रामदुलारी के व्यक्तित्व का चित्रण कैसे किया?

उत्तर - रूपकुमारी ने रामदुलारी के बारे में कहा कि वह अपने हैसियत से बढ़कर दिखावे का स्वांग कर रही है| रामदुलारी ने कपड़े और गहने माँग कर पहने होंगे ।

प्रश्न 3- रामदुलारी के ससुर का क्या व्यवसाय था ?

उत्तर - राम दुलारी के ससुर एक रियासत के मुख़्तारआम थे ।

प्रश्न 4- उमानाथ की मासिक आय कितनी थी ?

उत्तर - उमानाथ की मासिक आय ₹100 थी।

<u>लघूत्तरीय प्रश्न</u>

प्रश्न 1-रूपकुमारी ने क्या सोचकर अपने मन को तसल्ली दी?

उत्तर - रूपकुमारी ने यह सोचकर अपने मन को तसल्ली दी कि उसके पास जेवर और कपड़े ना सही; उसे किसी के सामने लज्जित तो नहीं होना पड़ता| किसी से मुँह तो नहीं चुराना पड़ता | एक-एक लाख के तो उसके दो लड़के हैं | भगवान उन्हें चिरायु करे, वह इसी से खुश है | खुद अच्छा पहन लेने और अच्छा खा लेने से जीवन का उद्देश्य पूरा नहीं हो जाता | उसके घर वाले गरीब है , पर उसकी इज्जत तो है, किसी का गला तो नहीं दबाते, किसी का शाप तो नहीं लेते |

प्रश्न 2-रूपकुमारी ने किस प्रकार के न्याय के संदर्भ में बात कही ?

उत्तर - रूपकुमारी ने कहा कि यह कहाँ का न्याय है कि वह जो रूपवती है, तमीजदार है, सुघड़ है, पति पर जान देती है, बच्चों को प्राणों से ज्यादा चाहती है, थोड़े में गृहस्थी को इतने अच्छे ढंग से चलाती है, उसकी दशा अच्छी नहीं है| दूसरी तरफ उसकी बहन रामदुलारी घमंडी, बदतमीज, विलासिनी, चंचल, मुँहफट छोकरी जो कलतक सिर खोले घूमा करती थी, वह रानी बन गई है | यह उसके नज़र में न्याय नहीं था

प्रश्न 3- रामदुलारी ने रूपकुमारी को एक्का मँगवाने से क्यों रोका ?

उत्तर – रामदुलारी ने रूपकुमारी को एक्का मँगवाने से इसलिए रोका क्योंकि उसे लेने कार आ रही थी । उसने सोचा कि वह उसे दो चार दिन के लिए अपने घर ले जाएगी और फिर रूपकुमारी को उसके घर छोड़ देगी |

प्रश्न 4- उमानाथ के दिमाग में गुरु सेवक के विषय में तहकीकात करने का विचार क्यों आया?

उत्तर – रामदुलारी के ठाट-बाट देख कर, रूपकुमारी के मन में निराशाजनक, अन्यायपूर्ण, दुखद भाव आ गया था यह देखकर उमानाथ के दिमाग में गुरु सेवक के विषय में तहकीकात करने का विचार आया |

<u>**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**</u>

प्रश्न 1- नातेदार के घर किस बात से रूपकुमारी के चेहरे पर आत्मसम्मान की लाली दौड़ गई?

उत्तर- नातेदार के घर यह सोच कर रूपकुमारी के चेहरे पर आत्मसम्मान की लाली दौड़ गई कि वह जैसी भी है अच्छी हैं | रामदुलारी ने जरूर किसी से गहने और जेवर माँग कर पहने होंगे | दो साल पहले जब रामदुलारी की शादी में उसके घर वाले की साधारण स्थिति देख चुकी थी|

प्रश्न 2-रामदुलारी ने किस रूपकुमारी के खिसियानेपन का आनंद उठाया ?

उत्तर- रूपकुमारी को जब यह पता चला की गुरुसेवक बिना पढ़ाई किए एजेंटी से औसत पाँच सौ रुपया कमा रहा है, इस बात पर वह खिसिया गई कि पढ़ाई कर हजारों लड़के अपनी जिंदगी ख़राब कर रहे हैं | रामदुलारी ने इसी रूपकुमारी के खिसियानेपन का आनंद उठाया |

प्रश्न 3- गुरु सेवक ने अपने व्यवसाय के विषय में रूपकुमारी को क्या बताया ?

उत्तर- गुरु सेवक ने रूपकुमारी को अपने व्यवसाय के बारे में बताया कि वह मशीनों की एजेंसी करता है वह तरह-तरह के मशीनें मँगवाता है और बेचता है|

प्रश्न 4- गुरु सेवक के जाने के बाद रूपकुमारी ने उमानाथ से रामदुलारी के विषय में क्या कहा?

उत्तर- गुरु सेवक के जाने के बाद रूपकुमारी ने उमानाथ से कहा- "तुम मुझे रामदुलारी के घर पहुँचा दो, अभी शायद मैं उसकी कुछ मदद कर सकूँ | जिस बाग़ की वह सैर कर रही है, उसके चारों तरफ निशाचर घात लगाए बैठे हैं |शायद मैं उसे बचा सकूँ |"

<u>पठित गद्यांश प्रश्न</u>

1. गुरु सेवक का क्या व्यवसाय था ?

उत्तर- एजेंट

2. गुरुसेवक को सफ़र खर्च के लिए कितने रुपए मिलते थे?

उत्तर- पाँच

3. कोकीन कौन बेचता था?

उत्तर- गुरुसेवक

4. रूपकुमारी को किस पर दया आई?

उत्तर-रामदुलारी

<u>**किसने किससे कहा?**</u>

क. "जीजा जी की कुछ तरक्की-वरक्की हुई कि नहीं, बहन?"

उत्तर- रामदुलारी ने रूपकुमारी से कहा |

ख. "जब एजेंटी में इतना वेतन और भत्ता मिलता है, तो ये सारे कॉलेज बंद क्यों नहीं हो जाते?"

उत्तर-रूपकुमारी ने रामदुलारी से कहा |

ग. "महाराजिन रखने के लिए तो मैंने खुद तुमसे कई बार कहा |"

उत्तर- उमानाथ ने रूपकुमारी से कहा|

घ. "आपके लिए एक मकान नहीं सौ मकान तैयार हैं |"

उत्तर-गुरु सेवक ने रूपकुमारी से कहा |

===========